

## दरबार सजा है रे आये गणपति राजा

दरबार सजा है रे आये गणपति राजा,  
ओ झूमो गाओ रे ओ खुशियां मनाओ रे भाजे बेंड और बाजा,  
दरबार सजा है रे आये गणपति राजा,

गौरा के लाल जी को मोदक जो खिलते हैं,  
मोदक खा कर के मेरे गणपति खुश हो जाते हैं,  
ये माला माल करते भक्त को निहाल करते,  
चले इनकी शरण में आज  
दरबार सजा है रे आये गणपति राजा,

सारे देवो से पहले ये पूजे जाते हैं  
जिस घर में आ जाते हैं खुशिया बरसाते हैं,  
ये दुःख हारता है ये सुख के करता है कर देते वारा न्याराम  
दरबार सजा है रे आये गणपति राजा,

करलो तुम इनकी सेवा भर देते भंगारे भूधि के दाता है ये,  
शिव जी के है प्यारे,  
धुप्प और दीप जला गणपति जी को मना,  
गिरी इनकी शरण में आज,  
दरबार सजा है रे आये गणपति राजा,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7594/title/darbar-sja-hai-re-aaye-ganpati-raja>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |